facilities for import of fresh fruits, dry fruits, etc. from Afghanistan were available through Wagah Attari border. Dry fruits were also imported through the land-cum-sea route *viz* Bombay.]

महाराष्ट्र को सूखे से राहत के लिये वित्तीय सहायता

680. **श्री पंढरीनाथ सीतारामजी पाटिल** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या महाराष्ट्र सरकार ने केन्द्रीय सरकार से सूखा-राहत-खर्च के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता का अनुरोध किया है ; और

(ख) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकार के अनुरोध पर क्या कार्यवाही की है ?

†[**Financial assistance to Maharashtra for drought relief**

680. SHRI P. S. PATIL : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether the Central Government have received any request from the Maharashtra Government for additional financial assistance towards drought relief expenditure; and

(b) if so, what steps have been taken by the Central Government on the request made by State Government?]

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश): (क) और (ख) महाराष्ट्र सरकार सूखा सहायता उपायों के लिए समय समय पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करती रहती है। राज्य सरकार द्वारा किये गये व्यय और सूखे की स्थिति के संबंध मे केन्द्रीय दल द्वारा की गयी समीक्षा के आधार पर राज्य सरकार को सूखा सहायता व्यय के निमित्त केन्द्रीय सहायता के रुप में 1973–74 में अब तक 50 करोड़ रुपये की राशि दी गई है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH) : (a) and (b) The Government of Maharashtra have been requesting from time to time for financial assistance towards drought relief measures. On the basis of the expenditure incurred by the State Government and the reviews undertaken by the Central Team in regard to the drought situation, a sum of Rs. 50 crores has so far been released to the State Government in 1973-74 as Central assistance for drought relief expenditure.]

ब्रिटेन से ऋण

681. **श्री पंढरीनाथ सीतारामजी पाटिल** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय भारत पर ब्रिटेन का कितना ऋण है ;

(ख) ब्रिटेन को प्रतिवर्ष कितने ऋण की अदायगी की जा रही है और कब तक इस सारे ऋण का भुगतान हो जायेगा; और

(ग) चालू वर्ष के दौरान ब्रिटेन ने भारत को किन किन प्रयोजनों के लिए ऋण दिये है और कितना कितना ऋण दिया गया है।

†[**Loans from Britain**

681. SHRI P. S. PATIL : Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the extent to which India is at present indebted to Britain;

(b) the amount of loan being repaid yearly to Britain and the time by when the entire amount of loan is likely to be repaid; and

(c) the purposes for which Britain has given loans to India during the current year and the amount given?]

† [ ] English translation.

वित्त मंत्री (श्री य० ब० चव्हाण): (क) वित्तीय वर्ष 1972 –73 के अन्त तक की स्थिति के अनुसार ब्रिटेन के प्रति भारत की देनदारी 43.605 करोड़ पौंड (827.09 करोड़ रुपये) की थी।

(ख) 1972–73 के दौरान ब्रिटेन को 121.1 लाख पौण्ड (22.97 करोड़ रुपये) की रकम वापस की गयी और वर्तमान ऋण देनदारियों के 1997–98 में पूर्ण रुप से चुकाए जाने की सम्भावना है।

(ग) चालू वर्ष में 24 मई 1973 को ब्रिटेन सरकार के साथ 140 लाख पौंड (26.55 करोड़ रुपये) के एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किये गये थे। इस ऋण करार का प्रयोजन गैर-सरकारी और सरकारी दोनों क्षेत्रों के उद्योगो के लिए ब्रिटेन से पूंजीगत वस्तुओं और मंयंत्रों के आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकताओं की व्यवस्था करना है।

†[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI Y. B. CHAVAN) : (a) India's debt liability to Britain as at the end of financial year 1972-73 is £ 436.05 million (Rs. 827.09 crores);

(b) The amount of loan repaid to Britain during 1972-73 is £ 12.11 million (Rs. 22.97 crores), and the existing debt liability is expected to be fully repaid in 1997 98;

(c) During the current year a loan agreement for £ 14 million (Rs. 26.55 crores) has been signed with the Government of United Kingdom on 24-5-73. The purpose of this loan Agreement is to meet the foreign exchange requirements for the import of Capital Goods and equipment from the United Kingdom, both for the Private and Public Sector industries.]

मौसम विभाग द्वारा सूखे का पता लगाने के लिए आधुनिक उपकरणों का लगाया जाना

682. **श्री पंढरीनाथ सीतारामजी पाटिल**: क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सूखे की स्थिति का एक या दो वर्ष पूर्व पता लगाने के लिए मौसम विभाग में उपकरणों में सुधार करके और आधुनिक उपकरण लगा कर योजनाबद्ध कार्य शुरू किया है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना की मुख्य मुख्य बात क्या है?

†[**Installation of sophisticated instruments by Meteorological Department to forecast droughts**

682. SHRI P. S. PATIL : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Government have started any systematic programme by making improvements and installing sophisticated instruments in its Meteorological Department for forecasting the incidence of droughts one or two years in advance; and

(b) if so, what are the main features of the said scheme?]

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह): (क) और (ख) विज्ञान की वर्तमान प्रगति के आधार पर एक या दो वर्ष पहले ही सूखे की स्थिति का अनुमान लेना सम्भव नहीं है। तथापि पांचवी योजना में सम्मिलित की गयी एक स्कीम के अंतर्गत गहन अनुसंधान का एक कार्यक्रम प्रारंभ किया जायेगा जिससे ऐसे लक्षणों का निर्धारण किया जासके जिनसे कुछ सप्ताह पूर्व सूखे का अनुमान लगाना संभव हो जाय।

† [ ] English translation.